श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

चैत्र नवरात्रि साधनाएं

०९-०४-२०२४ से १७-०४-२०२४

१) त्रिपुर सुन्दरी युक्त श्रीयन्त्र साधना:

विधान: साधक या साधिकाये , पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

नवरात्रि के प्रथम दिन पूजा स्थान पर बाजोट पर पीले वस्त्र पर श्रीयंत्र की स्थापना कर उसकी पूर्ण पूजन करे (षोडशोपचार) । उससे पूर्व कलशादि गणपती की पूजन कर संकल्प करे । इच्छा व्यक्त करे ।

स्वयं स्वच्छ पीले वस्त्र धरण करे और गुरु मंत्र जप कर गुरुआज्ञा और आशीर्वाद ले कर साधना आरंभ करे ।

श्री यंत्र की पूर्ण पुजन मे घी का दीपक और नैवेद्य में मिष्ठान्न चढाये । फल का भोग भी चढाया जा सकता है ।

(अ) **मंत्र:** || ॐ ह्रीं ह्रीं श्रीं श्रीं पारद श्रीयन्त्राय श्रीं श्रीं ह्रीं ह्रीं ॐ|| (अगर पारद यंत्र हो तो)

मंत्र: || ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः|| (कोई भी श्री यंत्र)

सामाग्री: श्री यंत्र ,कमलबीज माला

जप संख्या: ११ माला

(आ) अपनी दाहिनी ओर तेल का दीपक लगा कर त्रिपुर सुन्दरी मंत्र का जप ९ माला करे | इस जप मे लाल हकीक माला या लाल चंदन की माला का प्रयोग किया जाता है |

मंत्र: || श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः ॐ त्रिपुर सुन्दर्यै सर्व शक्ति समन्वित सौः ऐं क्लीं ह्रीं श्रीं ||

सामाग्री: लाल हकीक माला या लाल चंदन की माला

जप संख्या: ९ माला

इस साधना मे साधकगण पूर्ण ब्रह्मचर्य का पालन करे | भूशयन कर एकभुक्त रहे और वातावरण प्रसन्न रखे | जप पूर्ण मनोयोग से संपूर्ण ध्यान लगा कर श्रद्धा एवं विश्वास के साथ स्पष्ट मंत्र जप अवश्य करे | नवे दिन यदि संभव हो तो किसी कन्या को घर भोजन कराये और यथोचित दान दे |

(२) **"श्रीं" साधना:**

विधान: साधक या साधिकाये , पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

श्रीं बीज,भोज पत्र पर अष्टगंध से नित्य एक सहस्त्र(१०००) बार अनार की कलम से नौ दिनो तक लिखने से श्रीं यंत्र सिद्धि प्राप्त होती है |

(३) राम नवमी : (१७-०४-२०२४)

विधान: साधक या साधिकाये , पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

इस राम नवरात्री मे रक्षा हेतु श्री राम रक्षा स्तोत्र का पाठ नित्य करे और

नित्या २४ माला "राम" तारक मंत्र का जप चंदन की माला से करे |

मंत्र: || राम ||

सामाग्री: चंदन माला

जप संख्या: २४ माला

(४) **हनुमान जयन्ती साधना:(२३-०४-२०२४)**

विधान: साधक या साधिकाये , पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | इन दोनो साधना मे हनुमान की पूजा लाल पूलो से और नारियल के गोले से करे |

(अ) चैत्र शुक्ल पौर्णिमा के दिन ब्रम्ह मुहुत मे (प्रत: ३ बजे से ६ बजे तक हनुमान चालीसा का १०८ बार पारायण करे |

(आ) शत्रु नाश हेतु:

इस दिन पंचमुखी हनुमान साधना शत्रु नाश हेतु किया जाता है |

मूंगा माला से लाल वस्त्र धरण कर नीचे दिये मंत्र की २१ माला जप करे |

मंत्र: || ॐ पूर्वकपि मुखाय पंचमुख हनुमते टं टं टं टं टं सकल शत्रु संहारणाय स्वाहा |

जप संख्या: २१ माला

****